सौजन्य - संयुक्त प्रयास,
हिंदी शिक्षक युगल , ज़िला – जालंधर

ललित कुमार
हिंदी अध्यापक
स.सी.से.स्कूल
काला बकरा
जालंधर

पंकज माहर
हिंदी अध्यापिका
स.मा.सी.से.स्कूल
लाडोवाली रोड
जालंधर

कहानी – नर्स

पाठ – 10 कक्षा – दसवीं

शिक्षा विभाग, पंजाब

मार्गदर्शक- डॉ. सुनील बहल,
सहायक निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.

शोधक- राजन, हिंदी अध्यापक
स.मि.स्कूल, लोहारका कलां, अमृतसर

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दें :-

1) प्रश्न :- महेश कितने साल का था ?
उत्तर :- महेश छह साल का था।
2) प्रश्न :- महेश कहाँ दाखिल था ?
उत्तर :- महेश अस्पताल में दाखिल था।
3) प्रश्न :- अस्पताल में मुलाक़ातियों से मिलने का समय क्या था?
उत्तर :- अस्पताल में मुलाक़ातियों से मिलने का समय शाम चार से छह बजे तक था।
4) प्रश्न :- वार्ड में कुल कितने बच्चे थे ?
उत्तर :- वार्ड में कुल बारह बच्चे थे ।
5) प्रश्न :- सात बजे कौन सी दो नर्सें वार्ड में आईं?
उत्तर :- सात बजे मरींडा और मांजरेकर नाम की दो नर्सें वार्ड में आईं ।
6) प्रश्न :-महेश किस सिस्टर से घुलमिल गया था?
उत्तर :- महेश सिस्टर सूसान से घुलमिल गया था ।
7) प्रश्न :- महेश को अस्पताल से कितने दिन बाद छुट्टी मिली?
उत्तर :- महेश को तेरह दिनों बाद अस्पताल से छुट्टी मिली ।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में दें :-

1) प्रश्न :- सरस्वती की परेशानी का क्या कारण था ?

उत्तर :- सरस्वती का बेटा अस्पताल में दाखिल था और अस्पताल के कायदे-कानून के अनुसार सरस्वती रात को अपने बेटे के पास नहीं रुक सकती थी। बेटा माँ से लिपटकर रो रहा था और उसे घर वापस नहीं जाने दे रहा था । यही बात सरस्वती की परेशानी का कारण थी।

2) प्रश्न :- सरस्वती ने नौ नंबर बैड वाले बच्चे से क्या मदद माँगी ?

उत्तर :- सरस्वती को नौ नंबर बैड वाला बच्चा उम्र में बड़ा और समझदार लगा । सरस्वती ने सोचा कि यह दस साल का बच्चा महेश को बातों में उलझा सकता है और वह चुपके से अस्पताल से बाहर निकल सकती है। यही सब बातें सोचकर सरस्वती ने नौ नंबर वाले बैड वाले बच्चे से मदद माँगी ।

3)प्रश्न :- सिस्टर सूसान ने महेश को अपने बेटे के बारे में क्या बताया ?

उत्तर :- जब सिस्टर सूसान ने महेश को रोते हुए देखा तो उसने महेश को कहा कि उसका बेटा भी बहुत छोटा है और जब वह अस्पताल आती है तो बहुत ज़ोर-ज़ोर से रोता है। उस नटखट का नाम भी महेश है और उसे अभी तक बोलना भी नहीं आता । यह सब बातें सुनकर महेश के मन में सिस्टर सूसान के बेटे के लिए उत्सुकता जागृत हो गई ।

4) प्रश्न:- दूसरे दिन महेश ने माँ को घर जाने की इज़ाज़त खुशी-खुशी कैसे दे दी?

उत्तर :- महेश ने अपनी माँ को घर जाने की इज़ाज़त खुशी-खुशी इसलिए दे दी क्योंकि सिस्टर सूसान के मुँह से उसके छोटे से बेटे महेश की बातें सुनकर अब वह माँ की मजबूरी को समझ चुका था । अब उसे अपनी छोटी बहन मोना की चिंता हो रही थी जिसे माँ पड़ोस के राजू के पास छोड़कर आई थी ।यही सब बातें सोचकर महेश ने मां को घर जाने की इज़ाजत दे दी ।

5)प्रश्न :- सरस्वती द्वारा सिस्टर सूसान को गुलदस्ता और उसके बबलू के लिए गिफ़्ट पेश करने पर सिस्टर सूसान ने क्या कहा ?

उत्तर :- सरस्वती द्वारा सिस्टर सूसान को गुलदस्ता और उसके बबलू के लिए गिफ़्ट देने पर सिस्टर सूसान ने रंग-बिरंगे फूलों वाला गुलदस्ता तो सहर्ष स्वीकार कर लिया,लेकिन बबलू के लिए गिफ़्ट लेने से इंकार कर दिया । उसने सरस्वती को बताया कि उसकी तो अभी शादी ही नहीं हुई और न ही उसका कोई बबलू है | ये सब बातें तो उसने महेश को बहलाने के लिए झूठ बोली थी ।

III. प्रश्न :- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर छह या सात पंक्तियों में दें :-

1) प्रश्न :- सिस्टर सूसान का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखिए ?

उत्तर :- सिस्टर सूसान 'नर्स' कहानी की केंद्रीय पात्र है । कहानी के कथानक का प्रमुख भाग सिस्टर सूसान के इर्द-गिर्द घूमता है । एक नर्स होने के नाते सिस्टर सूसान के हृदय में मानवता की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है । ममता से भरपूर होने के कारण सिस्टर सूसान अपने रोगी की मनोस्थिति के अनुरूप उपचार करती है । सिस्टर सूसान के चरित्र में एक माँ का नैसर्गिक वात्सल्य झलकता है, जो एक बीमार बच्चे को पूर्णतया स्वस्थ होकर घर जाने में मदद करता है । इस प्रकार सिस्टर सूसान वात्सल्यमयी,कर्तव्यपरायण, परोपकारी और मानवतावादी दृष्टिकोण से सराबोर एक ऐसी नर्स के रूप में उभरती है, जो अपने कल्पित बच्चे की कहानी गढ़कर रोगी महेश के हृदय में आत्मविश्वास जगा देती है और उसे स्वस्थ होने में मदद करती है ।

2) प्रश्न :- नर्स कहानी का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए ?

उत्तर:- लेखिका 'कला प्रकाश' द्वारा लिखी गई कहानी नर्स भावपूर्ण तथा सोद्देश्य रचना है । इस कहानी का प्रमुख उद्देश्य पाठकों के हृदय में मानवतावादी दृष्टिकोण जागृत करना है । इस कहानी द्वारा 'नर्स' के व्यवसाय की गरिमा को प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है । इस कहानी में बीमार बच्चे की मनोदशा का चित्रण करने के साथ-साथ नर्स की चुनौतीपूर्ण भूमिका का वर्णन किया गया है। इस कहानी का सर्वप्रमुख उद्देश्य नर्स के सेवाभाव और ममत्व को रोगी के हित में प्रस्तुत करना है ताकि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों की निष्काम कार्यप्रणाली को निरूपित किया जा सके । इस प्रकार यह कहानी नर्स के ममत्व और सेवाभाव को रोगी के हित में प्रस्तुत करती हुई वर्तमान समय में परोपकारी और संवेदनशील बने रहने का उच्च आदर्श स्थापित करती है |

(ख) भाषा-बोध

I. निम्नलिखित पंजाबी गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद कीजिये :-

1) ਅੱਠ ਵਜੇ ਸਿਸਟਰ ਸੂਸਾਨ ਦੇ ਵਾਰਡ ਵਿੱਚ ਆਉਂਦੇ ਹੀ ਕਈ ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਚਿਹਰੇ ਤੇ ਮੁਸਕਾਨ ਛਾ ਗਈ। ਇਕ ਤੇ ਨੌ ਨੰਬਰ ਵਾਲੇ ਬੱਚੇ ਤਾਂ ਉਸਦੇ ਸੁਆਗਤ ਲਈ ਬਿਸਤਰ ਤੋਂ ਉੱਠ ਕੇ ਬੈਠ ਗਏ । ਸਿਸਟਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਹੱਥ ਹਿਲਾਇਆ ।

उत्तर :- आठ बजे सिस्टर सूसान के वार्ड में आते ही कई बच्चों के चेहरे पर मुस्कान छा गई । एक से नौ नंबर वाले बच्चे तो उसका स्वागत करने के लिए बिस्तर से उठकर बैठ गए । सिस्टर ने उनकी तरफ हाथ हिलाया ।

(2) ਰੰਗ ਬਿਰੰਗੇ ਸੁੰਦਰ ਫੁੱਲਾਂ ਵਾਲਾ ਇਹ ਗੁਲਦਸਤਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਖੁਸ਼ੀ ਨਾਲ ਲੈ ਰਹੀ ਹਾਂ ਬਾਕੀ ਇਹ ਗਿਫਟ ਕਿਸੀ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਔਰਤ ਨੂੰ ਦੇ ਦੇਣਾ ਜਿਸਦਾ ਕੋਈ ਥਥਲੂ ਹੋਵੇ ਮੇਰਾ ਤਾਂ ਕੋਈ ਥਥਲੂ ਹੈ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਹਾਲੇ ਤੱਕ ਸ਼ਾਦੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਹੈ ।

उत्तर :- रंग-बिरंगे सुंदर फूलों वाला यह गुलदस्ता तो मैं खुशी से ले रही हूँ । बाकी यह गिफ़्ट किसी ऐसी औरत को देना जिसका कोई बबलू हो। मेरा तो कोई बबलू है ही नहीं। मैंने तो अभी तक शादी ही नहीं की है।